RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2021-23

पिघलता हिमालय

वर्ष 39 अंक 4 हल्द्वानी सम्वत् 2080 सोमवार 3 जुलाई 2023 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

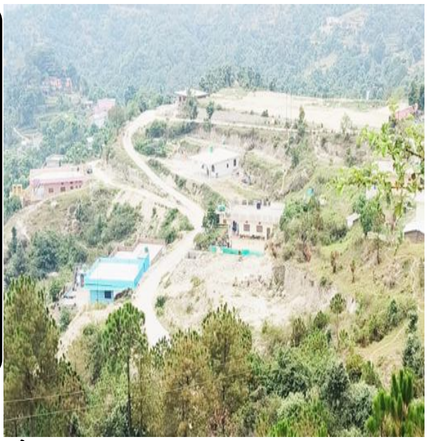

चुनाव के लिए बिछने लगे हैं नेता

लोस के लिये चेहरों की ढूंढ

कार्यालय प्रतिनिधि

उत्तराखण्ड में इन दिनों जितना कुछ हो रहा है सबको आने वाले चुनावों से जोड़कर देखा जाने लगा है। स्थिति भी कुछ ऐसी बनती जा रही है कि नेता बिछने को तैयार हैं और सम्पर्क साधने लगे हैं। जुलाई आते ही छात्र राजनीति के रंग दिखाई देने लगे हैं। युवाओं को घेरने में माहिर बड़े नेता निकाय चुनाव के लिये भी सम्पर्क साधने लगे हैं। लोकसभा चुनाव चेहरों की ढूंढ हो रही है। भाजपा की ओर से प्रदेश की पाँचों सीटों पर पुराने चेहरों की ही चाहत दिखाई दे रही है। हो सकता है एक सीट पर कोई नया नाम सुनाई पड़े। कांग्रेस अपने पुराने प्रत्याशियों पर विचार के अलावा नये दावों पर सोचेगी। क्योंकि हरीश रावत भी दांव चल सकते हैं।

समाज में हिन्दू-मुस्लिम के नाम पर जिस प्रकार का इंजेक्शन लगाया गया है, यह भी चुनाव में प्रभाव डाल सकता है। साम्प्रदायिक सौहार्द के लिये बुद्धिजीवी वर्ग जुट चुका है और अपील की जा रही है कि भावावेश में आकर कदम न उठाए जाएं। लोकसभा चुनाव तक क्या हवा बनेगी और किसकी चलेगी यह अभी से कहना जल्दबाजी होगा। फिलहाल तो निकाय चुनाव को लेकर सरगर्मियां हैं। माना जा रहा है कि नवम्बर तक यह चुनाव करवाये जा सकते हैं। प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां जारी हैं। नगर निगम, नगर पालिका, नगर पंचायत तमाम महत्वपूर्ण पदों के लिये दारोमदार वाले नेता अपने क्षेत्रों में तैयारी में हैं। भाजपा से टिकट के लिये लम्बी लाइन है। कांग्रेस से भी टिकट की आस में नेता हैं। अन्य दल व निर्दलीय भी मैदान में होंगे। यह सब भी आने वाले दिनों में स्पष्ट होगा। फिलहाल तो छात्र संघ को लेकर युवा नेता अपने तेवर दिखा रहे हैं। उल्लेखनीय है की प्रवेश के दौरान महाविद्यालयों में पुराने छात्र नेता अपने प्रभाव से अपनी टीम बनाने की तैयारी में जुट जाते हैं। सरकार द्वारा सभी जगह एकसाथ एक तिथि को चुनाव की व्यवस्था कर काफी लगाम लगाई है बावजूद छात्र नेता और कुछ बेहद उत्साही युवा प्रवेश प्रक्रिया के दौरान अपना दबदबा दिखाने के लिये छुटभैयों को लेकर कालेज प्रशासन पर अनावश्यक दबाव बनाते रहे हैं। इस बार तो चुनाव को दौर ही है, देखें आगे-आगे क्या होता है।

निकाय चुनाव के लिये भी सम्पर्क साधने लगे हैं

कैंट के सिविल एरिया को नगर निकाय में शामिल करने के लिये समिति जुटी

कैंट क्षेत्रों के सिविल एरिया को उनके निकट के नगर निकाय में शामिल करने के लिये समिति जुट चुकी है। इसके लिये रक्षा मंत्रालय ने सात सदस्यीय कमेटी गठित की है। बताया गया है कि कमेटी उत्तराखण्ड के 5 कैंट बोर्डो अल्मोड़ा, नैनीताल, देहरादून, क्लेमेंटटाउन और रुड़की के सिविल एरिया के निकट नगर निकाय में शमिल करने की तैयारी है। रक्षा मंत्रालय के संयुक्त सचिव की अध्यक्षता वाली इस कमेटी में राज्य सरकार के एक प्रतिनिधि के अलावा कैंट बोर्ड अध्यक्ष भी हैं।

भाजपा का महा जनसम्पर्क अभियान

भारतीय जनता पार्टी ने चुनाव से पहले महा जनसम्पर्क अभियान को धार दी है। संगठन की ओर से रणनीतिकारों ने चारों ओर अपने प्रचार के लिये प्रमुख तैयार किये हैं जो पार्टी की नीतियों को पहुँचा रहे हैं। संगठन की रणनीति के अनुसार ग्राम, ब्लाक, जिला, मण्डल स्तर तक बनी कमेटियां कार्य कर रही हैं और दावा किया गया है कि बूथ स्तर तक वह मजबूत हैं।

व्यवहार में भी यदि देखा जाए तो भाजपा इस समय की बड़ी पार्टी है और अपने मजबूत संगठन बल पर उन स्थानों पर भी पैंठ बना चुकी है जहाँ पहले कार्यकर्ता संख्या न्यून थी।

कैबिनेट विस्तार से साधेंगे निशाना

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी अपने सलाहकारों के साथ जिस प्रकार की तैयार कर चुके हैं उसमें साफ दिखाई दे रहा है कि प्रत्येक वर्ग से लोगों को किसी न किसी रूप में जोड़ा जा रहा है। अब कैबिनेट में विस्तार से और मजबूती की ओर जाने की तैयारी है। सीएम पहले ही स्पष्ट कर चुके थे कि जनसम्पर्क अभियान के बाद पार्टी नेताओं के साथ बैठक कर कैबिनेट में फेरबदल होगा। चुनाव को देखते हुए सरकार भी उन विन्दुओं पर विचार कर चुकी है कि किसको कैबिनेट में कहाँ पर रखने से जनता के बीच क्या प्रभाव होगा। ऐसे में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के नाम अभी तक चर्चा में हैं।

विपक्ष की लगातार दौड़

उत्तराखण्ड में विपक्ष की दौड़ लगी हुई है, परिणाम क्या होगा यह समय ही बता सकता है। फिलहाल कांग्रेस की ओर से नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य लगातार दौड़ में दिखाई दे रहे हैं। भाजपा के दबदबे के बाद विपक्ष के लिये फिर से खड़ा होना बहुत ही चुनौती का काम है लेकिन अनुभवी यशपाल एकजुटता में लगे हैं। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा भी लगातार मुद्दों को लेकर चौकस हैं। बीच-बीच में संगठन में मचने वाली खलबली से भी उन्हें जूझना पड़ रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत पार्टी के बुजुर्ग नेता की हैसियत से सबको मिल रहे हैं और सत्ता पक्ष से बराबर सवाल उठा रहे हैं।

रौलमेल देवाल-पमतोला झील बदल सकता है किस्मत

अपनी संस्कृति के लिये देवीधुरा से जागरुकता अभियान शुरु हुआ

पि.हि. प्रतिनिधि

चम्पावत। पाटी ब्लाक में आस्था का केन्द्रबिन्दु है माँ बाराही शक्तिपीठ। इसके अलावा लुभाने के लिये यहाँ की प्रकृति की बहार अनुपम है। लकिन विकास के लिये पाटी ब्लाक को अभी सफर तय करना होगा क्योंकि जितना कुछ यहाँ होना चाहिये था वह अभी नहीं हो सका है। राजनीति के कुचक्र में नेता अपने मतलब के लिये पूरे क्षेत्र को दुहते रहे हैं। यही कारण है कि क्षेत्र का युवा राजनीति की बात करते हुए आक्रोशित दिखाई देता है।

बताया जा रहा है कि जमीन खरीद-फरोख्त करने वालों की नज़र इस क्षेत्र में भी है और वह चाह रहे हैं कि प्लाटिंग की स्कीम यहाँ भी चले। इसके लिये जाल बिछाने वाले सक्रिय हैं लेकिन खुशी की बात यह है कि अपनी संस्कृति के लिये देवीधुरा से जागरुकता अभियान शुरु हो चुका है। जागरुक युवा इन बातों को लेकर चौकन्ने हैं और उनकी चाह है कि अपनी संस्कृति से सम्बन्धित कार्य-व्यवहार क्षेत्र में हो। माँ बाराही शक्तिपीठ को भी उसके मूल स्वरूप सहित पर्वतीय शैली में विकसित किया जाए ताकि आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों का रुख ज्यादा से ज्यादा हो। देवीधुरा से पाटी तक जंगल का जो खूबसूरत नजारा है, उसमें बांजवृक्ष के संरक्षण की दिशा में भी दीपक बिष्ट 'परिवर्तन' अपनी टीम के साथ जुटे हुए हैं। इनका प्रयास है कि खेल की अकादमी भी यहाँ खुले ताकि खिलाड़ियों को प्रोत्साहन मिले।

पाटी में प्रकृति का अनुपम उपहार है रौलमेल देवाल से लेकर पमतोला तक की प्राकृतिक व्यवस्था। इस चार किलोमीटर क्षेत्र में यदि झील विकसित की जाए तो पूरे इलाके की किस्मत बदल सकती है। यहाँ पर रतिया नदी का बहाव है। इस ओर क्षेत्र के जनप्रतिधियों को जागरुकता दिखानी चाहिये। इस झील के विकास में आस-पास गाँवों का विस्तापन भी नहीं होना है। गाँव ऊँचाई वाले स्थान पर हैं जबकि झील की अपार सम्भावनाएं दिखाई देती हैं। पत्रकार सूरज लडवाल ने भी इस महत्वपूर्ण विषय पर विद्वतजनों का ध्यान आकृष्ट किया है ताकि बात दूर तक जाए।

उल्लेखनीय है कि विधानसभा लोहाघाट की तीखी राजनीति में पाटी ब्लाक की अहम भूमिका रहती है। राजनीति की गोली और गाली का ही असर है कि कतिपय छुटभैये भी उबर चुके हैं और राजनीति-ठेकेदारी का संगम तरबतर करता रहा है। ब्लाक प्रमुख सुमन लता क्षेत्र के विकास के लिये निरन्तर प्रयास कर रही हैं और उनकी अपील का असर भी दिखाई दिया है। विधानसभा में पूर्व विधायक पूरन फर्त्याल जितने असरकारी रहे हैं, वर्तमान विधायक खुशहाल सिंह अधिकारी भी कम नहीं। इन दोनों का राजनीति में द्वन्द इतना घनघोर है कि सड़क तक बात चारों ओर फैलती रही है। फिलहाल सीएम पुष्कर धामी पड़ोसी चम्पावत विधानसभा सीट के विधायक हैं तो कुछ उम्मीद उनसे भी है कि वह पाटी ब्लाक के लिये भी बीज छिड़केंगे।

आने वाले दिनों में देखना है कि क्या होने वाला है क्योंकि निकाय चुनाव के लिये तैयारियां हो रही हैं और लोकसभा चुनाव के लिये भी पार्टियों की ओर से कदमताल हो रही है।

कुर्सी दौड़ में एकदम हाईटेक खेल होना तय है

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

जगाने के लिये कुछ भी

२१ जून को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पूरे उत्साह और ऊर्जा के साथ मनाया गया। आयोजन को लेकर केन्द्र व राज्य सरकार ने हर प्रकार से ताकत लगा दी और सारे महकमे में तैयारी हुई। अधिकारी, कर्मचारी, बच्चे, बूढ़े जो जहाँ था वहीं से योग करने लगा। जगाने के लिये यह बहुत ही बेहतर पहल है। सरकार का आदेश/निर्देश ही कहो, सारा महकमा जाग उठा। वर्ना तो अपने बारे में सब जानते हैं कि वह प्रात:काल कितने बजे उठते हैं और कितना योग करते हैं। योग महोत्सव के दिन तमाम प्रायोजित कार्यक्रमों में दिखावा भी बहुत हुआ है। लेकिन यह तो सच है कि कुछ नहीं से कुछ हुआ और साल भर एक ढर्रे पर चलने वाले भी योग के बारे में कुछ न कुछ जानने व करने लगे। देश को जगाने के लिये कुछ भी चलेगा, अच्छा है।

योग के बारे में समग्र ज्ञान लेना चाहिये। योग हमारी जीवन शैली में होना जरूरी है। वास्तविक रूप में जो भी योगी होगा वह राजनीति के प्रपंच से दूर, कुचक्र रचने वालों से दूर, बात का बतंगड़ बनाने वालों से दूर होगा। योग दिखाने से ज्यादा अपने आप की खोज करना है। शरीर रूपी मशीन को संतुलित करने के अलावा मानसिक रूप से दृढ़ बनाने का काम भी योग का है। योग वास्तव में बहुत बड़ा विषय है परन्तु योग की आड़ में नाना तरीके के आडम्बर होने लगे हैं। योग शिक्षक के नाम पर अखाड़ेबाजी भी दिखाई दे रही है। वास्तव में योग को जीने वाले चालबाजी से दूर हैं लेकिन योग की आड़ में एनजीओ का खेल भी बिगड़ा हुआ है। देश में आयुष मंत्रालय इसके प्रचार-प्रसार के लिये है लेकिन होने वाली तमाम आयोजनों का सच क्या है, इसे जाँचने की जरूरत है।

योग से जुड़ा कोई भी व्यक्ति सच को जीने वाला होता है। वह संतुलित होता है। वह सुलझा हुआ, समझदार, संयमित होता है। फिर योग के नाम पर खेल-खिलवाड़ क्यों? अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस हमें जगाने के लिये है। वास्तव में योग विषय पर जुड़े लोगों को बहुत साफ होना चाहिये, वह समाज के लिये आदर्श हैं। साथ ही हम सबने अपनी दिनचर्या को योग बनाना चाहिये।

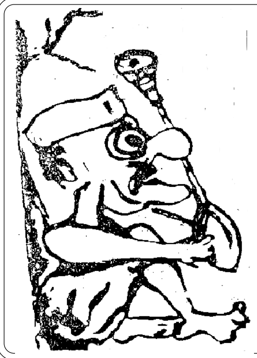

फसक

दाज्यू, विकास की गजब फतोड़ाफतोड़ हो रही ठैरी

स्वच्छता अभियान से लेकर बहुत कुछ निपट गया है बल

दाज्यू, इन दिनों विकास की गजब फतोड़ाफतोड़ हो रही ठैरी। जिसको देखो लच्छे पराठे, झल्लेदार पायजामे की ओट की इच्छा है। केदारनाथ धाम के गर्भगृह में एक महिला नोट उड़ाने लगी। पड़ताल के बाद मन्दिर समिति ने बताया- नोट उड़ाने वाली महिला नहीं, किन्नर है। वीडियो वायरल होने पर चारों ओर हल्ला है और पुलिस को भी जाँच करनी पड़ी। दाज्यू, कब क्या होने लगे पता नहीं। गर्भगृह में सोना जड़ने का दुनियाभर में चर्चा के बाद कह रहे हैं पीतल ज्यादा है बल। कई प्रकार के अभियान चालू ठैरे। स्वच्छता अभियान से लेकर बहुत कुछ निपट गया है बल। दाज्यू, झाड़ू बुहारु रोज का काम हुआ, फिर यह आयोजन क्यों? वैसे, कुछ नहीं से कुछ होना अच्छा ही ठैरा। निगरगण्ड बैठा बुदराम और विलकम सिंह भी दो-चार सूखे पत्ते उठाने के लिये झुक रहे थे। दाज्यू, सरकार की हाँ में सबकी हाँ होती है बल। लेकिन हमारी समझ में नहीं आ रहा है जब स्कूल-कालेजों में ग्रीष्मावकाश हो रहा था वहाँ भी आदेशों की रेलपेल हुई। बुतका बता रहे थे- 'क्या करते, दो चार स्टाफ वाले इकट्ठा होकर फोटो खिंचवा कर सरकार को परोसनी पड़ रही है। नगर पालिका वाले भी कह रहे थे कालेज के बच्चों को रैली के लिये ले आओ, कहाँ से लाते? मिलजुट कर फोटोबाजी करवा ली। ऐसा ही योग दिवस को भी हुआ। जलवा तो जोर का दिखाई दे रहा है लेकिन जहाँ योग का अनुलोम विलोम हो रहा था हमने भी अपना बैनर लगाकर फोटुक खिंचवा लिया। इसके बाद एक और आदेश आ गया कि नशा मुक्त दिवस से जुड़ जाओ। छुट्टी पर अपने बच्चों के साथ निकल चुके शिक्षक और इधर-उधर हो चुके विद्यार्थियों की खोज कैसे हो, उन्हें कौन रोक सकता है। इस दिन भी स्वयं ऑनलाइन भटूरा बनकर बैठे रहे।' दाज्यू, यही तो हम भी कह रहे हैं। फोटुकबाजी के अलावा जितनी फतोड़ाफतोड़ होने लगी है, क्या वही विकास होता होगा?

साब लोग भी खूब बैठक करने लगे हैं। समाचारों में भर-भर कर दिखाई देता है। तहसील से लेकर ऊपर तक मंथन और निर्देशों के गट्ठर बंध चुके हैं। शिकायत के लिये टालफ्री नम्बर भी हैं। बांकी दाज्यू-भुली अपने ही ठैरे। जिसे जो पढ़ाना हो- पत्तरफाड़ हुए ही........। कुछ नहीं हुआ तो फेसबुक पर फोटू चेप डालो......। दिन गुजर जाने वाला हुआ और रात भी कट ही जाती है। इससे ज्यादा विकास और क्या चाहिए। चुनाव की झाड़फूंक में अभी बहुत कुछ देखने सुनने को मिलने वाला है।

टनकपुर के एपीजे इंजीनियरिंग कालेज के निदेशक अमित अग्रवाल ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। दाज्यू, निदेशक और संविदा कर्मचारियों के बीच बहुत समय से च्यां-म्यां हो रही थी। कर्मचारी कह रहे थे- निदेशक अग्रवाल रात तक काम में रोक देते हैं, अभद्रता करते हैं, गाली देते हैं। निदेशक कहते रहे- सब बेबुनियाद आरोप हैं। स्थानीय होने की अकड़ दिखा रहे हैं। दाज्यू, बाद में एक कर्मचारी ने अत्महत्या का प्रयास किया। ऐसे में प्रशासन के हाथ-पांव फूलने ही वाले ठैरे। जोड़-जन्तर कर दोनों पक्षों को बैठाया और तय हुआ कि निकाले गये तीनों कर्मचारी फिर से काम पर रखे जाएंगे। किसको कहें, कैसे कहें, क्या कहें- कौन गलत होगा? जमाने में गलत-सही ढूंढना मुश्किल है। बस, चेपाचेप मची है। इस्तीफा देने के बाद निदेशक अग्रवाल ने कहा- 'बेवजह राजनीतिक संगठनों के द्वारा दबाव बनाया जा रहा है। संस्थान से निकाले गए तीनों कर्मियों पर कार्रवाई नहीं हुई, जबकि उल्टा उन्हें दोषी बना दिया गया।'

रामनगर में एक स्वायत्त सहकारिता समिति के एजेंटों ने समिति पर 80 लाख रुपये गबन करने का आरोप लगाया है। अब पुलिस जाँच होगी बल। अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर हमने भी फोटू खींचा। दाज्यू, सेल्फी का जमाना हुआ। क्या करें, कभी-कभार ऐसा मौका लगता है। हमारी दौड़ कौन देखने वाला है, हर दिन योग समझो। ननकू भी अग्निवीर बनने के लिये पसीना बहा रहा है। सब फतोड़ाफतोड़ हो रही ठैरी।

-तुम्हारा भुली झकरुवा

पर्वतीय शैली का संग्रहालय तैयार

भवाली में जसुली बूढ़ी शौक्याणी धर्मशाला को संवारा

पि.हि. प्रतिनिधि

नैनीताल। भवाली नगर के मध्य कुमाऊँ मण्डल विकास निगम द्वारा तैयार किया जा रहा संग्रहालय पर्यटकों के लिये तैयार है। दानवीरांगना जसुली बूढ़ी शौक्याणी की धर्मशाला को संवारने के साथ ही जिस प्रकार का संग्रहालय तैयार किया गया है, पर्यटन को बढ़ावा देगा और जसुली अमा के बारे में लोगों को जानकारी मिलेगी।

पर्वतीय शैली में तैयार इस संग्रहालय को केएमवीएन ने नगर पालिका को सौंप दिया है। इसका उद्घाटन पालिकाध्यक्ष संजय वर्मा ने करते हुए कहा कि इससे पर्यटकों को अवसर मिलेगा।

जीर्ण-क्षीर्ण धर्मशाला को निगम ने संवारने का काम कर दिया है अब इस संग्रहालय में पर्यटन विभाग जसुली देवी से जुड़ी यादों और उनकी प्रयोग की गई वस्तुओं को संजोएगी। भवाली में हुए इस कार्य की जसुली अमा के बंशजों के अलावा क्षेत्रवासियों ने सराहना की है। इससे स्थानीय व्यापारियों और लोगों को रोजगार के अवसर भी मिलेंगे।

मल्ला जोहार विकास समिति ने उठाई मांग

गोरी नदी पर बने पुल को सुधारा जाए

पि.हि. प्रतिनिधि

मुनस्यारी। मल्ला जोहार विकास समिति ने जिलाधिकारी को पत्र भेजकर गोरी नदी पर बने पुल को सुधरवाने की मांग की है। समिति के अध्यक्ष श्रीराम सिंह धर्मशक्तू की ओर से भेजे गये पत्र में कहा है कि गोरी नदी के ऊपर जो मिलम गाँव से मापा, गनघर, पाछूं को सम्पर्क स्थापित करने हेतु लोनिवि डीडीहाट द्वारा 2021-22 के बीच पुल निर्माण करवाया गया था। इसमें लगी सामग्री पर सन्देह होता क्योंकि पुल के दोनों ओर जो लोहे की फ्रेम आदि सामग्री है वह देखनें पर स्पष्ट हो जाता है। पुल बीचोंबीच दब चुका है। पुल में पतली वाईंडिंग वायर से की गई है। इसे नटबोल्ड के जरिये कसा गया है। श्रीराम सिंह धर्मशक्तू का कहना है कि लोनिवि के अधिकारियों से समय-समय पर लगातार बात करने के पश्चात भी सुधार नहीं हुआ है।

समिति के अध्यक्ष ने बताया कि इस पुल के बारे में सीएम से लेकर सभी अधिकारियों को कहा जा चुका है। समिति की वार्षिक बैठक में भी यह मुद्दा उठ चुका है। तय हुआ था कि जल्द की ठेकेदार के साथ लोनिवि मिलम जाकर पुल का कार्य करेंगे लेकिन यह अभी भी वैसा ही है।

हल्द्वानी में अभी भी अतिक्रमण से घिरे हैं नाले व खड़ंजे

हल्द्वानी। कुमाऊँ कमिश्नर दीपक रावत के स्वयं मैदान में उतरने के बाद शहर के अतिक्रमण से घिरे नाले को खोला जा रहा है, यह सराहनीय कार्य है। इसके अलावा भी शहर में कई नाली-नाले व खड़ंजे अतिक्रमण से घिरे हैं जिस कारण बरसात में जलभाव की समस्या व यात्रियों को चलेने में दिक्कत होती है।

संयुक्त आन्दोलनकारी मंच की मांग

खटीमा। संयुक्त आन्दोलनकारी मंच ने उप जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित करते हुए मांग की है कि आन्दोलनकारियों की दस प्रतिशत क्षितिज आरक्षण बहाल किया जाए।

मुख्य रूप से तीन मांगों के लिये आन्दोलनकारी एसडीएम से मिलने पहुँचे थे। उनकी मांग है कि सम्मानजनक पेंशन के साथ लोकतंत्र सेनानियों की तर्ज पर उत्तराखण्ड आन्दोलनकारियों को भी राज्य निर्माण सेनानियों का दर्जा दिया जाए। इसके अलावा वास्तविक वंचित आन्दोलनकारियों को चिन्हित किया जाए। गंगोलीहाट दशाईथल से राजेन्द्र वर्मा ने भी राज्य आन्दोलनकारियों को सम्मान देते हुए सेनानियों का दर्जा दिए जाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि राज्य का सपना आज भी अधूरा है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

परिचय

आधा संसार-एक मुनस्यार

देव सिंह बोरा

अनुपम सौन्दर्यमयी मुनस्यारी तहसील का पुराना नाम जीवार उर्फ जोहार है। मिलम ग्लेशियर के जिस स्थान से गोरी नदी निकलती है, उसके दाहिने तरफ बरफ से ढके पहाड़ का नाम जावार है। इसी जीवार पर्वत के नाम से इस क्षेत्र का नाम कालान्तर में जोहार हो गया। माना जाता है कि गोरी नदी इसी जीवार पर्वत के एक भाग को तोड़ कर हरलिंग (हंसलिंग) पर्वत को छूते हुए मुनस्रूारी को दो भागों में सींचती हुई मदकोट जौलजीवी को चली जाती है। हरलिंग इतना उष्मावान है कि उसमें वर्फ टिक नहीं सकता। हरलिंग अर्थात शिवलिंग को गौरी (पार्वती) का नदी रूप में स्पर्श कर बह जाना रहस्यमीय है। शिव पार्वती की विवाह स्थली और पार्वती की तप स्थली हिमालय ही तो है। पहले जोहार एक परगना थाा। विकट बन्दोबस्त, जो वर्ष 1863 में अल्मोड़ा जिले से प्रारम्भ हुआ था, के दौरान जोहार परगना को तल्ला देश जोहार व मल्ला देश जोहार दो पट्टियों में विभक्त किया गया। बाद में एक पट्टी गोरीफाट बनया गया। जोहार-मुनस्यारी का एक पुराना नाम भोट प्रदेश भी है। यह भोट शब्द तिब्बत के बोध शब्द से बना है। तिब्बत देश को वहाँ की स्थानीय भाषा में बोध कहा जाता है।

कुमाऊँ केशरी बी.डी.पाण्डे द्वारा लिखित कुमाऊँ का इतिहास के अनुसार वर्ष 1790 तक मुनस्यारी में चंद वंश का शासन था। 1790 से 30 अप्रैल 1815 तक गोरखा राज (नेपालियों का) था तथा 3 मई 1815 के बाद मुनस्यारी अंग्रेजों के अधीन हो गया।

प्रसिद्ध चंदवंशी राजा बाज बहादुर चंद ने वर्ष 1670 में भोट के रास्ते चल कर तिब्बतियों पर आक्रमण किया और तिब्बतियों से ताकललाखाल जीत कर आदेश जारी किए कि भोटिए लोग जो टैक्स तिब्बती राजा को देते हैं न दें। बाद में तिब्बत राजा द्वारा निवेदन करने व भविष्य में जोहारियों को रास्ते, व्यापार, धर्म के विषय में परेशान न करने का वचन देने पर पुन: टैक्स देने की सहमति बनी। राजा बाज बहादुर चंद के गाइड के रूप में जोहार भादू बूढ़ा तथा लोरू बिल्ज्वाल तिब्बत गए थे। राजा ने इनाम के रूप में इनको कुछ गाँव (पांछू, बुर्फू, पातू, धापा, तेली) जागीर में दिए। लोरू बिल्ज्वाल को कोश्यारी बाड़ा मिला।

मल्ला देश जोहार समुद्र तल से 330 मीटर से 4500 की ऊँचाई पर स्थित है। पहले इन दोनों पट्टियों के लोगों के रहन-सहन, खान-पान यहाँ तक कि वेशभूषा में भी अन्तर था। मल्लाजोहार का कुछ भाग 5 माह तक बर्फ से ढका रहता है शेष्ज्ञ में शीत लहर का प्रकोप रहता है। लेकिन तल्लाजोहार घाटी में होने से मौसम के हिसाब से गरम रहता है। मुनस्यारी जो कि मल्लाजोहार व गोरी फाट पट्टियों का संयुक्त नाम था, अपने आप में विभिन्न भौगोलिक परिस्थितियों, मौसम, प्राकृतिक सौन्दर्य, नदी-झरनों, हिमाच्छादित पर्वतों, जाति, वर्ण, धर्म आदि की विविधताओं के लिए प्रसिद्ध रहा है। जो इस कहावत से सिद्ध होता है- आधा संसार-एक मुनस्यार।

कुछ इतिहासकारों का मानना है कि जोहार के लोग अपने क्षेत्र को बहुत बड़ा समझते थे। यानि जोहारी लोग यह मानते थे कि आधे भाग में तो ईश्वर ने मुनस्यारी-जोहार ग्राम बनाए हैं और आधे भाग में शेष संसार को। लेकिन इतिहासकारों की यह टिप्पणी या व्याख्या सही प्रतीत नहीं होती। इस उक्ति के भावार्थ को इस क्षेत्र से सम्बन्धित विविध ताओं को जोड़ कर समझा जाना चाहिये। मुनस्यारी छोटा क्षेत्र होने के बावजूद संसार के अनेक प्राकृतिक संरचनाओं, जातियों, वंशों की अनेकता को अपने में समेटे हुए है। संसार के अन्य भागों में पायी जाने वाली जातियां मंगोल, शक, गोरखा नेपाली, आर्य, तिब्बती, हूण, नाग, किरात, खस, राजस्थानी, हिमाचली, गढ़वाली, गुजराती आदि जाति धर्म के लोग इस छोटे से क्षेत्र में रहते हैं। पूर्व में जाति धर्म के अनुसार बोली, भाषा जैसे तिब्बती, गोरखाली, पहाड़ी, गढ़वाली, हिमाचली आदि बोली जाती थी और उसी के अनुरूप विविध पहनावा भी लोग पहनते थे। वर्तमान में मुनस्यारी में चारों वर्णो के लोग निवास करते हैं। मुनस्यारी तहसील में ब्राह्मणों व ठाकुरों की ही करीब 82 जातियां रहती हैं। यहाँ के शौका व्यापार के क्षेत्र में अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त हैं। तिब्बत व नेपाल के अतिरिक्त माल के लिए देश के सभी प्रमुख शहरों तक उनका व्यापार फैला था। वे भारत का सामान ल्हासा, ज्ञानिमा मण्डी आदि तक बकरियों, घोड़ों से पहुँचा कर तिब्बती सामान भारत लाते थे। विकट रास्तों से कबरियों द्वारा सामान ढुलान करना खतरे से खाली नहीं था। इसलिए एक बकरी-दस ढकरी की आवश्कता होती थी। इस वंश के सुनपति शौका बहुत बड़े व्यापारी माने जाते थे। मुनस्यारी में विश्वविख्यात मिलम ग्लेशियर एवं पंचाचूली, राजरम्भा, हरलिंग, छिपलाकेदार, नन्दादेवी, नन्दाकोट आदि हिमालय पर्वत श्रृंखलाएं हैं। उनकी उपत्यकाओं में वनौषधि अतीश, कटिक, निरविष, गुग्गल, मासी, हाथजड़ी और कस्तूरीमृग, डफिया मुनाल आदि दुर्लभ पशु-पक्षियां पाये जाते हैं। बुग्याल में अनुपम छटा बिखेरते अनेकानेक पुष्प तथा ब्रह्मकमल जैसे नन्दन वन की शोभा बढ़ाते हैं। देवदार, भोजपत्र, थुनेर, ल्वेंट आदि अनेक ज्ञात अज्ञात पादप तथा जलचर, थलचर व नभचर पाए जाते हैं।

मुनस्यारी ऋषि मुनियों की तपोभूमि रही है। शान्ति के लिए ऋषि मुनि यहाँ आते थे। प्रेम कथाओं में राजुला मालूशाही की प्रेम गाथा की गिनती- रोमियो-जुलियट, मालती-माधव, हीर-रांझा की कोटि में होती है, जो इसी धरती से सम्बन्ध रखते हैं।

उपरोक्त प्राकृतिक व सामाजिक विविधताओं के छोटे से क्षेत्र में विद्यमान होने के कारण आधा संसार-एक मुनस्यार का पुरातन कथ्य प्रचलन में आया होगा, ऐसा प्रतीत होता है।

लघु कहानी

कपाट खुल गये

दीवान सिंह कठायत

ग्रीष्मकालीन अवकाशों से विद्यालय के कपाट माह भर तक बन्द होने के पश्चात, सुरेश सर ज्येष्ठ मास में सर्वाधिक सम्पन्न होने वाली शादियों में शरीक हो, बेझिझक वैवाहिक समारोहों का आनन्द उठाते हुए समय व्यतीत कर रहे थे। बीच-बीच में पूजा पाठ व जरूरी घरेलू काम भी निकल आते जिन्हें वह इन छुट्टियों में निपटाकर, सालभर के लिए तनाव मुक्त हो जाने का भी यदा-कदा यत्न करते रहते। वैसे लम्बे अवकाश उनकी दैनिक शिक्षक दिनचर्या में ढल चुके तन-मन को असहज लगते ।

किसी खास रिस्तेदार की शादी में शामिल होने आज वह वाहन से नगर की ओर यात्र पथ पर थे कि तभी एक फोन काल ने फेसबुक में डूबे सर की तंद्रा तोड़ी। एक जाना पहचाना सा स्वर बड़े अदब से अपना परिचय देते हुए उनसे उनके विद्यालय में अवकाश की स्थिति जान, उन्हें हरिद्वार में लगने वाले समर कैम्प में प्रतिभाग करने का आग्रह कर रहा था। नेकी और पूछ-पूछ। कुछ नया चाहने व सीखने की उत्कट इच्छा रखने वाले सुरेश सर को यह स्वर्णिम मौका लगा।

उन्होंने तुरन्त हामी भर दी। अवकाशों का सदुपयोग, गंगा दर्शन तथा ट्रेनिंग का आनन्द, ऐसी त्रिवेणी, ऐसा संगम बार -बार नहीं मिलता बच्चू। उनका अन्तर्मन इसे सही ठहराता जा रहा था।

नियत तिथि को अन्य प्रतिभागियों के साथ सफर करते हुए सायंकाल समर कैंप में पहुँच जरूरी दिशा-निर्देशों से अवगत हो, भोजनोपरान्त आराम किया। अगले दिन से प्रशिक्षण का व्यवस्थित दौर जो लगभग सप्ताह भर तक चला, उससे तृप्त हो सर ने ईश्वर तथा कैम्प की प्रायोजित संस्था का अत्यन्त आभार माना। बेहतर शिक्षक बनने व बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षण हेतु उनके द्वारा दिए गए टिप्स व गतिविधियों की जानकारी अतुलनीय एवं प्रभावशाली थी। ज्ञान, समझ व बौद्धिक विकास की जो गंगा इस बीच बही, उसमें गोते लगाकर हर प्रतिभागी स्वयं को धन्य मान रहा था।

सुरेश सर का तो क्या कहना। जीवन में आज अपने दिव्य कपाट खुलने की उन्हें कुछ अधिक ही, जो आत्मानुभूति हो रही थी। अब सभी अपने विद्यालयों के खुलने की जोरों से प्रतीक्षा कर रहे हैं।

-प्रधानाध्यापक,
राआप्रावि -उडियारी, बेरीनाग
(पिथौरागढ)

ज्योतिष की बातें - 133

7 जुलाई को 2023 शुक्र शत्रुराशि सिंह में प्रवेश करेगा। वहाँ पर शनि की क्रूर दृष्टि तो गुरु की शुभ दृष्टि भी पड़ेगी। कुल मिलाकर शुक्र निर्बल ही रहेगा। शुक्र छठवें, सातवें में और दसवें स्थान पर अशुभ होता है। शेष स्थानों पर शुभफल प्रदान करता है। साथ ही मकर, कुम्भ राशियों के लिए योगकारक भी होता है। अत: अगले एक माह शुक्र भौतिक सुख आदि अपने कारक विषयों में मीन और वृश्चिक राशियों के लिए शुभ नहीं रहेगा, अन्य सभी दस राशियों के लिए सामान्य फलदायक रहेगा ।

8 जुलाई 2023 को बुध स्वराशि मिथुन से निकलकर शत्रुराशि कर्क में प्रवेश करेगा। वहाँ पर कोई शुभ दृष्टि भी नहीं रहेगी। अत: बुध अत्यन्त निर्बल रहेगा। फिर भी अगले 17 दिन बुध बुद्धिमत्ता, व्यवसाय आदि अपने कारक विषयों में मिथुन, मेष, कुम्भ, धनु, तुला और कन्या राशि के जातकों को अल्पमात्र में शुभ फल प्रदान कर सकता है ।

गुरु पूर्णिमा अर्थात् व्यास पूर्णिमा - आषाढ़ पूर्णिमा उदयकालीन त्रिमुहूर्त व्यापिनी तिथि में व्यास पूर्णिमा का पर्व मनाया जाता है। तदनुसार सोमवार 3 जुलाई 2023 को गुरु पूर्णिमा का पर्व मनाया जाएगा। इस दिन भगवान विष्णु के चौबीस अवतारों में परिगणित भगवान व्यास का पूजन एवं भगवान व्यास के द्वारा लिखित किसी ग्रन्थ का पाठ करना चाहिए ।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद

सम्यक विचार- 24

फ्री फ्री औरा फ्री

पहले रक्षाबन्धन के दिन भाई जाता था राखी बंधवाने बहन के पास, फिर सरकार ने रक्षाबन्धन के दिन महिलाओं के लिए बस सेवा फ्री कर दी तो अब बहनें जाने लगी हैं, राखी बांधने भाई के पास। अब कई राज्यों में महिलाओं के लिए पूर्णरूप से बस यात्र फ्री कर दी गई है। इस कारण अब बसों में महिलाएँ ही यात्रा करती हैं। पुरुष तो मजबूरी में ही बस में बैठता है। जहाँ जिस कार्य के लिये पुरुषों को ही जाना होता था वहाँ पर भी पुरुषों के स्थान पर अब महिलाओं को ही उस कार्य के लिये जाना पड़ रहा है। जहाँ पर महिला को कोई कार्य नहीं भी होता है तो भी कभी-कभी फ्री के लालच में आकर महिलाएँ बस में बैठ जाती हैं, यात्रा करने लगती हैं।

दूसरा उदाहरण- ट्रेन में विकलांग व्यक्ति को निशुल्क यात्रा करने की छूट है। साथ में उसके सहयोग के लिए जाने वाले एक यात्री को भी निशुल्क यात्रा करने की छूट प्राप्त है । इसका परिणाम होता यह है कि जहाँ पर उस विकलांग व्यक्ति को जाना नहीं होता है वहाँ पर भी उस बेचारे विकलांग को जाना पड़ता है। क्योंकि जब भी उस विकलांग के परिचित किसी व्यक्ति को कहीं किसी कार्यवश ट्रेन से यात्रा करनी होती है तो वह किराये में छूट के उद्देश्य से उस विकलांग व्यक्ति को साथ में ले लेता है। स्वस्थ व्यक्तित्व तो सरकार की छूट का फायदा उठाता है और वह बेचारा विकलांग व्यक्ति इधर-उधर परेशान होता रहता है।

तीसरा उदाहरण- जो व्यक्ति पहले 50-60 यूनिट बिजली एक महीने में खर्च करता था, वह व्यक्ति भी बिजली फ्री होने के कारण अब एक सौ, दो सौ और कहीं किसी राज्य में तीन सौ यूनिट तक बिजली खर्च कर रहा है। इस प्रकार बिजली की अब महाबरबादी होने लगी है ।

इस प्रकार जितनी भी योजनाएँ फ्री की चल रही हैं उससे व्द्रि लालची और उद्दण्ड तो होता ही है, समाज में अव्यवस्था भी उत्पन्न होती है । उस फ्री में प्राप्त वस्तु की बरबादी होती है और फिर उस बरबादी का परिणाम पर्यावरण का विनाश होता है और पर्यावरण के बाद उस फ्री, फ्री और फ्री का अन्तिम परिणाम होता है स्वास्थ का सत्यानाश । इस प्रकार वोट के लालच में नेता सामाजिक व्यवस्था, पर्यावरण और स्वास्थ्य को छिन्न-भिन्न कर रहे हैं ।

-सरल

शिक्षाप्रद दोहे

नन्दाबल्लभ पाण्डेय

1. हे माँ शारदे ऐसी अनुकम्पा करें, सब को सद्बुद्धि आ जाय
   तुम्हारी शरण पाय के, ज्ञान चक्षु खुल जाय।
2. राम नाम नित जपते रहें, इसी में सबका हित होय
   सारे जग से नाता छोड़ कर, राम भक्ति में लीन होय।
3. गुरु के शरण में जाई कर, भक्ति ज्ञान सीख लीजिए
   साधू भक्ति पाय कर, अपना जीवन सुफल कीजिए।
4. साधू संगति कीजिए, जो सच्ची राह दिखाय
   भक्ति मार्ग में जीवन सुधरे, अगला जन्म भी सुधर जाय।
5. वाणी मीठा बोलिए, जो सब के मन भाय
   अपना मन शीतल करें औरों का मन खुश हो जाय।
6. परनिन्दा कभी न कीजिए, और करें ना किसी का अपमान
   अपनी आदत तो बिगड़ेगी ही, और नहीं मिलेगा कभी सम्मान।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

चातुर्मास में यात्रा संभल-संभल कर की जाए

नदी नाले उफान पर

बरसात की सीजन शुरु होते ही नदी-नाले उफान पर हैं। हालांकि परम्परा अनुसार हरेला पर्व से वर्षा ऋतु की मान्यता है। 17 जुलाई को हरेला पर्व है और इस बीच वृक्षारोपण कार्यक्रम भी शुरु हो चुके हैं। विवाह-लग्न कार्यक्रम भी नवम्बर तक नहीं होंगे।

आपदा प्रबन्धन के कंट्रोल रूम ने भी यात्रियों को सतर्क रहने को कहा है। मौसम विभाग बराबर सूचनाएं दे रहा है ताकि यात्री सकर्त रहें। आगामी मौसम को देखते हुए शारदा नदी के आसपास अलर्ट कर दिया गया है। बनबसा व आसपास नदी किनारे लोगों को हटने को कहा गया है। जौलजीवी से मदकोट और धारचूला दोनों मार्गों पर सावधानी के लिये कहा जा रहा है। थल से मुनस्यारी मार्ग पर भी संभल-संभल कर चलना होगा।

भवाली-अल्मोड़ा मार्ग पर भी तीन स्थानों पर मलबा आने का खतरा है। ऋषिकेश-केदारनाथ मार्ग पर भी चौकस किया गया है। अलकनन्दा, भागीरथी सहित तमाम छोटी-बड़ी नदियों में पानी का बहाव अतिद्रुत बन चुका है। ऐसे में नदी घाटों पर विशेष सावधानी जरूरी है।

मौसम के मिजाज के साथ ही नैनीताल, भीमताल व अन्य तालों में जल भराव आने वाले दिनों में दिखाई देगा क्योंकि ग्रीष्म में यह बहुत घट गया था।

चातुर्मास लगते ही सहालग सीजन भी थमा हुआ है। अब नवम्बर से अगले वर्ष मार्च तक लग्न होंगे।

जागेश्वर और देवीधुरा में उम्मीद जगा गये

सीएम का दौरा

अल्मोड़ा/चम्पावत। सीएम पुष्कर धामी अपने जागेश्वर और देवीधुरा दौरे में उम्मीद जगा गये हैं। योग दिवस पर जागेश्वर कार्यक्रम के अलावा देवीधुरा स्थित माँ वाराही धाम में हो रहे महायज्ञ में पहुँचे धामी ने कई योजनाओं की घोषणा करते हुए युवाओं में उम्मीद जगायी। उन्होंने कहा कि जागेश्वर धाम का विकास सरकार की प्राथमिकता में है। यहाँ हेलीपैड बनाया जाएगा, जिसके लिये जमीन के चयन के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस पर जागेश्वर धाम की झांकी को प्रथम स्थान मिला जो इतिहास में दर्ज हो गया। यह पूरे प्रदेश के लि ये गौरव की बात है। जागेश्वर धाम के मस्टर प्लान के धरातल पर उतरने के बाद इस धाम को विश्व में नई पहचान मिलेगी। सीएम ने कहा देवभूमि में लैंड और लव जिहाद के खिलाफ सरकार मजबूती से लड़ रही है।

दूसरी ओर पाटी विकासखण्ड के देवीधुरा स्थित वाराही धाम में 5 दिवसीय विश्व कल्याण महायज्ञ में भागीदारी करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वाराही देवी मन्दिर को मानसखण्ड कॉरिडोर में रखे जाने से इस क्षेत्र का तेजी से विकास होगा। उन्होंने देवीधुरा के राजकीय आदर्श महाविद्यालय में एम.ए. की कक्षाओं का संचालन करने के साथ ही स्नातक स्तर पर भूगोल, इतिहास, शिक्षाशास्त्र विषयों की मंजूरी की। लोहाघाट के डायट में डीएलएड का प्रशिक्षण शुरु करने की घोषणा भी की।

बताते चलें कि विश्व कल्याण महायज्ञ के प्रणेता प्रधान यजमान आईआरएएस अधिकारी हीराबल्लभ जोशी थे। उन्होंने कहा कि सभी लोगों के खुख समृद्धि और शान्ति के लिये इस महायज्ञ का आयोजन किया गया। मौके पर चारों खामों के प्रमुख उपस्थित थे।

हिमालयी राज्यों के लिये आदर्श जिला बनेगा

चम्पावत जिला

देहरादून। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि मॉडल जिले के रूप में विकसित किया जा रहा चम्पावत न केवल उत्तराखण्ड के लिये बल्कि सभी हिमालयी राज्यों के लिये एक आदर्श बनेगा। चम्पावत के विकास के लिए किए जा रहे इनोवेटिव प्रोजेक्ट देश के सभी पर्वतीय राज्यों और जिलों के लिए गाइड लाइन का काम करेंगे।

चम्पावत जिले को मॉडल जिले के रूप में विकसित करने में जिला प्रशासन के साथ ही सभी सम्बन्धित स्टेकहोल्डर्स को मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि इस सम्बन्ध में अभी तक हुए डॉक्यूमेन्टेशन को शत प्रतिशत धरातल पर उतारा जाए तथा इसकी निरन्तर निगरानी की जाए। सीएम ने सचिवालय में मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार कार्यालय भवन सरकार के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में जनपद चम्पावत को आदर्श जनपद के रूप में विकसित किये जाने के लिये किये गये कार्यों की समीक्षा एवं आगामी कार्यक्रमों के सम्बन्ध में आयोजित बैठक में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार कार्यालय भारत सरकार के प्रतिनिधियों द्वारा चम्पावत में जाकर तैयार की गई चम्पावत की भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप विकास की सम्भावना, साइंस एवं टेक्नोलॉजी के आधार पर विकास की संरचना पर आधारित पुस्तक का विमोचन किया। बताया गया कि हिमालय नॉलेज कॉरिडोर को भी विकसित किया जा रहा है।

जन संगठनों का कानून व्यवस्था पर सवाल

राज्य की छवि न बिगड़े

देहरादून। विभिन्न जन संगठनों और विपक्षी दलों ने सरकार पर निशाना साधते हुए कानून व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि बढ़ते हुए नफरती प्रचार से देवभूमि की छवि खराब हो रही है। इस दौरान संविधान के मूल्यों और जनता के लिए जारी आन्दोलन को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया गया।

उल्लेखनीय है कि पुरोला में जिस प्रकार से साम्प्रदायिक आहद सुनाई देने लगी थी उससे सभी विचलित थे और अपने-अपने स्तर पर चिन्तन करने लगे। हालातों पर कौन बोले, इसको लेकर हिम्मत जुटाते हुए शुरुआत में गिनती भर के लोगों ने बोला। इसके बाद चारों ओर संगठनों ने तय किया कि देहरादून में सभी एकजुट होकर अपनी बात करेंगे।

दून में आयोजित बैठक में वक्ताओं ने आरोप लगाया कि सत्ताधारी दल के साथ कुछ संगठन नफरती प्रचार कर रहे हैं। देशभर से आन्दोलन होने के बावजूद सरकार जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई नहीं कर रही। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माले) के राज्य सचिव इन्द्रेश मैखुरी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राष्ट्रीय कार्उसिल सदस्य समर भण्डारी, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव डॉ. एस.एन.सचान, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के लेखराज और उपपा के प्रभात ध्यानी ने इस बैठक को सम्बोधित किया। इस दौरान उत्तराखण्ड इंसानियत मंच के संयोजक डॉ.रवि चौपड़ा, उत्तराखण्ड लोक वाहिनी के अध्यक्ष राजीव लोचन साह, उत्तराखण्ड महिला मंच की कमला पन्त, गीता गौरोला, पत्रकार त्रिलोचन भट्ट, उत्तराखण्ड सर्वोदय मण्डल के इस्लाम हुसैन, गोपाल भाई, वन पंचायत संघर्ष मोर्चा के तरुण जोशी, समाजवादी लोक मंच के मुनीश कुमार, चेतना आन्दोलन के शंकर गोपाल, रचनात्मक महिला मंच के अजय जोशी, वन गुज्जर ट्राइवल युवा संगठन के मोहम्मद इशाक, जन सम्वाद समिति के सतीश धौलखण्डी मौजूद थे। कांग्रेस की मुख्य प्रवक्ता गरिमा दसौनी ने बैठक का समर्थन दोहराया है।

बैठक में जन संगठनों की प्रमुख मांग है- महिला सुरक्षा, सामाजिक सौहार्द, भ्रष्टाचार की रोकथाम, भीड़ हिंसा पर लगाम, पुलिस स्वतंत्रता एवं लोकायुक्त को लेकर सारे कानूनी प्रावधान एवं कोर्ट के फैसलों पर अमल हो।

डीडीहाट जिले में शामिल नहीं होंगे मुनस्यारी-धारचूला

सीएम को भेजा पत्र

मुनस्यारी। चीन सीमा क्षेत्र से लगे विकास खण्ड मुनस्यारी तथा धारचूला के त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधियों ने प्रस्तावित डीडीहाट जिले में शामिल होने से दो टूक शब्दों में मना कर दिया। उन्होंने कहा कि आवश्यकता सीमान्त क्षेत्र में जिला बनाने की है। इसके लिए सरकार से वार्ता की जाएगी। लोकसभा चुनाव को देखते हुए डीडीहाट जिले को बनाने की सुगबुगाहट शुरू हो गई है। चीन सीमा पर बसे मुनस्यारी तथा धारचूला विकास खण्डों के पंचायत प्रतिनिधियों ने समय समय पर उक्त प्रस्तावित जिले में शामिल होने का विरोध किया था। मुनस्यारी तथा धारचूला क्षेत्र पंचायतों की बैठक में इस आशय का प्रस्ताव भी पारित हो गया है कि यहाँ की जनता डीडीहाट जिले में शामिल नहीं होना चाहती है।

त्रिस्तरीय पंचायत संगठन के प्रदेश अध्यक्ष तथा सीमान्त क्षेत्र से जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने आज ईमेल से पुनः प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को खत लिखकर कहा कि चीन सीमा से लगे विकास खण्ड मुनस्यारी तथा धारचूला को मिलाकर सीमान्त जिला बनाने के प्रस्ताव पर पहले अमल किया जाए। उन्होंने कहा कि वर्तमान जिला मुख्यालय से 215 किमी दूर स्थित इस सीमा क्षेत्र को जिले का दर्जा मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि डीडीहाट जिले से वर्तमान जिला मुख्यालय मात्र दो घण्टे में पहुँच सकते हैं। जबकि सीमान्त क्षेत्र से आज भी मिलम गाँव के नागरिक को दो दिन की 67 किमी पैदल यात्रा के बाद सात घण्टे वाहन से यात्रा करके वर्तमान जिला मुख्यालय पहुँचते हैं। मर्तोलिया ने बताया कि डीडीहाट तथा बेरीनाग विकास खण्ड के 54 ग्राम पंचायतों को भी सीमान्त ज़िले में शामिल किया जा सकता है। उनके लिए भी मुनस्यारी तथा धारचूला के मध्य प्रस्तावित जिला मुख्यालय नजदीक पड़ता है।

उन्होंने सीएम को स्पष्ट किया है कि सीमान्त क्षेत्र को जबरन जबरन डीडीहाट में शामिल किया गया तो सीमान्त की जनता उसका पुरजोर विरोध करेगी।

परिक्रमा

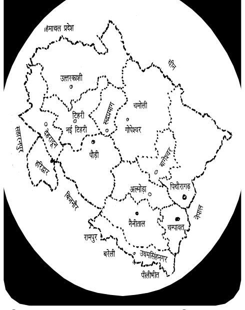

केदारनाथ मामले की जाँच हो

अल्मोड़ा। उत्तराखंड परिवर्तन पार्टी ने सरकार से केदारनाथ के गर्भगृह में सोने की जगह पीतल लगाए जाने को लेकर सामने आए विवाद की उच्चस्तरीय निष्पक्ष जाँच करने व तमाम तथ्यों को जनता के सामने रखने की मांग की है। उपपा के केन्द्रीय अध्यक्ष पी.सी. तिवारी ने कहा कि बद्रीनाथ व केदारनाथ जैसे धार्मिक और पुरातात्विक महत्व वाले आस्था के केन्द्रों के स्वरूप पर किसी भी स्तर पर बदलाव करना स्वयं में अपराध और इतिहास को विकृत करने जैसा है जिसका संज्ञान लेना आवश्यक है। कहा कि पूरी दुनिया में पुरातात्विक महत्व के स्मारकों, धार्मिक स्थलों और ढांचों को उनके मूल स्वरूप में बनाए रखने हेतु तमाम व्यवस्थाएं की जाती हैं किन्तु केदारनाथ के गर्भगृह को सोने से मढ़ने की किसी कथित श्रद्धालु की इच्छा को पूरा करने का औचित्य क्या है?यह विचारणीय विषय है।

मुक्तेश्वर मन्दिर में विवाद तेज

टनकपुर। शहर के बीचों स्थित प्राचीन मुक्तेश्वर मन्दिर में विवाद तेज होता जा रहा है। मन्दिर में प्राचीन पीपल का पेड़ काटे जाने से नाराज लोगों ने प्रशासन से इसकी उच्चस्तरीय जाँच करवाने को कहा है।

उल्लेखनीय है कि आस्था का केन्द्र मुक्तेश्वर क्षेत्र का प्राचीन मन्दिर है और पहले पूर्णागिरी आने वाले यात्री श्रद्धालु भी इसमें ठहर जाते थे। प्राचीन परम्परा अनुसार नाथ परिवार इसमें व्यवस्था संचालन करते रहे हैं। कुछ समय से मन्दिर के पुजारी और इनके बीच विवाद काफी बढ़ चुका है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

देवभूमि उत्तराखण्ड

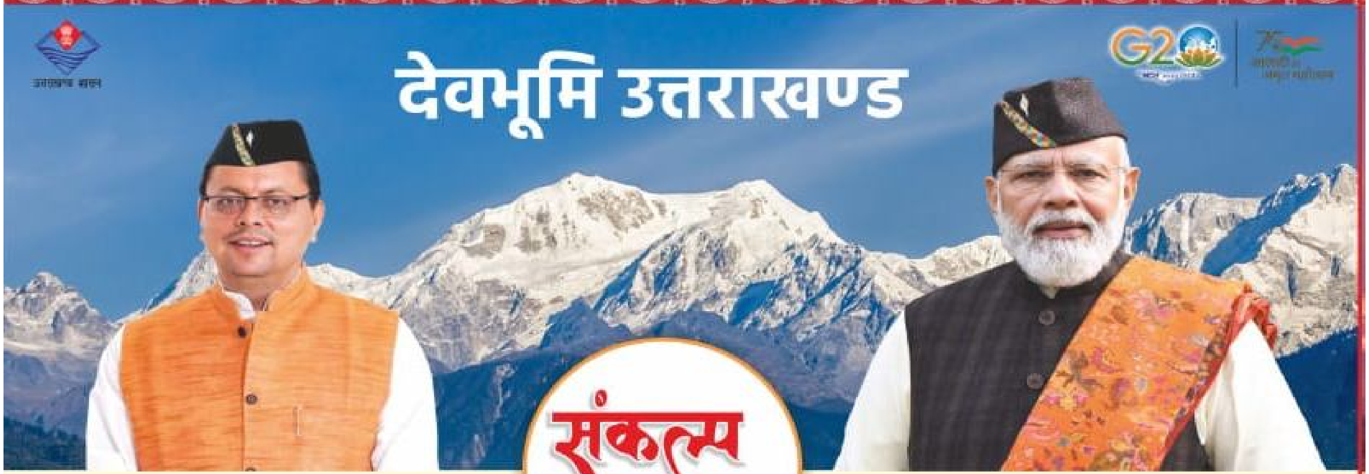

संकल्प नये उत्तराखण्ड का

उत्तराखण्ड को महत्व देने के लिए प्रधानमंत्री जी का धन्यवाद। हम निश्चित रूप से मोदी जी की आकांक्षाओं का उत्तराखण्ड बनाएंगे। प्रदेश के लिए उनका योगदान वृहद है। उत्तराखण्ड से उनका रिश्ता मर्म एवं कर्म का है। प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है।

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड आज जिस तरह से कानून व्यवस्था को सर्वोपरि रखते हुए विकास के अभियान को आगे बढ़ा रहा है, वो बहुत सराहनीय है। ये इस देवभूमि की पहचान को संरक्षित करने के लिए भी अहम है। और मेरा विश्वास है कि देवभूमि आने वाले समय में पूरे विश्व की आध्यात्मिक चेतना के आकर्षण का केंद्र बनेगी। हमें इस सामर्थ्य के अनुरूप भी उत्तराखण्ड का विकास करना होगा।

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

विकास के नवरत्न

1 केदारनाथ-बद्रीनाथ धाम में 1300 करोड़ रुपए से पुनर्निर्माण का कार्य।

2 गौरीकुण्ड-केदारनाथ, गोविंदघाट-हेमकुंड साहिब रोपवे।

3 मानसखण्ड मंदिर माला मिशन।

4 4000 से अधिक होम स्टे विकसित।

5 16 ईको टूरिज्म डेस्टिनेशन का विकास।

6 AIIMS, ऋषिकेश का उधमसिंहनगर में सैटेलाइट सेंटर।

7 2 हजार करोड़ रुपए की लागत से टिहरी लेक डेवलपमेंट।

8 एडवेंचर टूरिज्म व योग का केन्द्र बना उत्तराखण्ड।

9 टनकपुर-बागेश्वर रेल लाइन का विकास।

- चारधाम ऑल वेदर रोड
- दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस वे
- वन्देभारत एक्सप्रेस ट्रेन
- पर्वतमाला परियोजना से प्रदेश में रोपवे कनेक्टिविटी
- ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना
- पर्यटन हब, एडवेंचर टूरिज्म, फिल्म शूटिंग डेस्टिनेशन के रूप में उभरता उत्तराखण्ड
- भारतमाला परियोजना
- एक जिला-दो उत्पाद योजना
- निवेश अनुकूल औद्योगिक नीति
- स्टार्टअप से युवा उद्यमिता को प्रोत्साहन
- अटल आयुष्मान उत्तराखण्ड योजना
- स्टेट मिलेट मिशन से राज्य में पौष्टिक अनाज को बढ़ावा

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी www.uttarainformation.gov.in | DIPR_UK | UttarakhandDIPR | UttarakhandDIPR

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय स्थापना के ४६ वें वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं-

डॉ.आर.एस.टोलिया
गंगोत्री सदन, देवेन्द्रपुरी, बड़ी मुखानी
हल्द्वानी

श्रीराम सिंह धर्मशक्तू
अध्यक्ष
मल्ला जोहार विकास समिति

ललित उप्रेती
आंचल दूध एवं जनरल स्टोर
गंगोलीहाट

माँ काली ज्वैलर्स
रमेश लाल वर्मा (गुड्डू)
दन्या
(अल्मोड़ा)

मंगल सिंह जंगपांगी
दुकानदार
(सरस्वती शिशु मन्दिर के पास)
मुनस्यारी

श्रीमती सीता रावत
देवेन्द्रपुरी, बड़ी मुखानी
हल्द्वानी

प्रताप सिंह पंचपाल
पुराना बाजार,
थल

Hotel Bala Paradise
Tiksain,
Munsiari
Ph. 05961222237, 9412951678

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर
नानासेम, मुनस्यारी
गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल
एवं जनरल आर्डर सप्लायर्स
फोन सम्पर्क- 05961-222236
8958525979, 9411134775

Hayat Paradise
Bus Station
Munsiari
Ph. 09411556700, 9997733070

MARTOLIA FURNITURE
A unit of Martolia
Enterprises
Pilikothi, Haldwani
Mob- 8057167777,
7906752084, 8650427229

धमोत होम स्टे
धरमघर/चकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग,माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)
मो. 9760007148
www.mountainheights.in

Enjoy Beauty of Himalaya at
MARTOLIA LODGE
Family Guest House- Sarmoly,
Munsiyari
A Home Away From Home &
Home Stay
Phone: (05961) 222287

सप्ताह के पर्व

आषाढ़ कृष्ण पक्ष

3 जुलाई- व्यास गुरु पूर्णिमा
7 जुलाई- हरेला बोना
(जो साल में तीन बार बोते हैं।)
8 जुलाई- हरेला बोना (एक बार)

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, कालाढूंगी रोड, हल्द्वानी (नैनीताल) से मुद्रित।

सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती
फोन/फैक्सः (05946) 264013, 9458961490, 9411770280, 9411301014, 9410713075,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website- www.pighaltahimalay.com
पत्र व्यवहार के लिये पते-
जे0के0पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल)

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)